RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 | मुंबई : बुधवार 02 अप्रैल 2025 | वर्ष 06 | अंक 350 | संपादक : फैसल शेख | पृष्ठ : 8 | कीमत : 03 रुपये

दैनिक रोकठोक लेखनी ®
खबरें बे-रोकटोक

मुंबई: 3,000 अस्थायी सुरक्षा गार्डों के कार्यकाल के विस्तार को मंजूरी

Page - 2

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

मुंबई : मराठी का मुद्दा एक बार फिर उठाकर राज ठाकरे को क्या बीएमसी चुनाव में जीत मिलेगी ?

मुंबई : राज ठाकरे की पार्टी एक बार फिर एक्शन मोड पर दिखाई दे रही है. महाराष्ट्र में मराठी का मुद्दा बना हुआ है और इसे राज ठाकरे की एमएनएस पार्टी ने हमेशा की तरह पकड़कर रखा है. मराठी भाषा के मुद्दे पर महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना आक्रामक दिख रही है. ऐसा माना जा रहा है कि राज्य में अब स्थानीय निकाय चुनाव होने जा रहे हैं इसलिए महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना पूरी तरह से एक्टिव है.

राज ठाकरे की पार्टी पर आरोप लग रहे हैं कि मराठी भाषा का अपमान करनेवाले वालों के साथ सीधा मारपीट होती है और उसका वीडियो बनाकर वायरल किया जाता है. गुड़ी पड़वा रैली में मराठी के मुद्दे को लेकर राज ठाकरे ने चेतावनी दी थी. उन्होंने कहा था, ''जहां-जहां मराठी का अपमान होगा वहां कान के नीचे आवाज निकलेगी.''

बीएमसी चुनाव में राज ठाकरे का मराठी कार्ड!

गुड़ी पड़वा के पहले राज ठाकरे ने एक मराठी कविता का सम्मेलन भी आयोजित किया था, जहां अभिनेता विक्की कौशल से लेकर जावेद अख्तर जैसी कई बड़ी हस्तियां शामिल हुईं थी. ऐसे में मतलब निकाला जा रहा है कि राज ठाकरे की पार्टी महाराष्ट्र में लोकसभा और विधानसभा चुनाव के बाद मराठी कार्ड का मुद्दा लेकर बीएमसी चुनाव में उतर रही है.

मुंबई: एलएंडटी परिसर में सुरक्षा गार्ड की मराठी भाषा का अपमान करने पर पिटाई

मुंबई: महाराष्ट्र में मराठी भाषा को लेकर विवाद लगातार बढ़ रहा है. मनसे कार्यकताओं ने मुंबई के एलएंडटी परिसर में एक सुरक्षा गार्ड की कथित तौर पर मराठी भाषा का अपमान करने पर पिटाई कर दी. इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है. इससे पहले भी इस तरह की घटनाएं हो चुकी हैं जहां मनसे कार्यकताओं ने मराठी नहीं बोल पाने वालों पर हमला किया है.

देश में अब तक तमिल और हिंदी भाषा को लेकर विवाद देखने मिल रहा था, इस सबके बीच महाराष्ट्र में मराठी भाषा को लेकर विवाद गरमा गया है. मगहाराष्ट्र नव निर्माण सेना (मनसे) के कार्यकर्ता मराठी भाषा को इम्पोर्टेंस दिलाने के लिए अभियान चला रहे हैं. इसी क्रम में बीते दिन मुंबई के पवई स्थित 'एल एंड टी' कंपनी में सुरक्षा गार्ड द्वारा कथित तौर पर अपशब्द कहने पर उसके साथ मारपीट कर दी. यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसके बाद एक नई जंग छिड़ गई है.

भायंदर: एमबीवीवी पुलिस ने उत्तन के डोंगरी इलाके में स्थित एक भोजनालय पर छापा मारा

मीरा-भायंदर: मीरा भयंदर-वसई विरार (एमबीवीवी) पुलिस ने उत्तन के डोंगरी इलाके में स्थित एक भोजनालय पर छापा मारा, जहां अवैध तरीके से शराब बेची जा रही थी और ग्राहकों को हुक्का भी परोसा जा रहा था। होटल कर्मा में अवैध तरीके से हुक्का और शराब रखे जाने, बेचे जाने और परोसे जाने की सूचना मिलने पर उत्तन तटीय पुलिस स्टेशन की एक रात्रि गश्ती इकाई ने रात करीब 1:45 बजे इस प्रतिष्ठान पर छापा मारा। पुलिस ने बताया कि आबकारी लाइसेंस के बिना शराब और बीयर बेचने और पीने की अनुमति देने के अलावा, होटल, जो खुद को एक भोजनालय लॉन के रूप में पेश करता है, ग्राहकों को हुक्का भी परोसता हुआ पाया गया। मैनेजर-एक्विनो मेंडोंका (29) और वेटर-ताहिरुल भुरभुयान (19) सहित दो लोगों को हिरासत में ले लिया गया और उन पर महाराष्ट्र निषेध अधिनियम और सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद (विज्ञापन का निषेध और व्यापार वाणिज्य, उत्पादन, आपूर्ति और वितरण अधिनियम का विनियमन) - (सीओपीटीए), 2003 की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। हालांकि, प्रतिष्ठान के मालिक को अभी तक गिरफ्तार नहीं किया गया है।

17 वर्षीय किशोरी ने प्रेमी द्वारा आत्महत्या करने के बाद कर ली आत्महत्या...!

पालघर : एक चौंकाने वाली घटना में, एक 17 वर्षीय किशोरी ने अपने 24 वर्षीय प्रेमी द्वारा आत्महत्या करने के बाद आत्महत्या कर ली। यह घटना महाराष्ट्र के पालघर जिले में शनिवार रात को हुई। लड़की ने लड़के के साथ जाने से इनकार कर दिया, उसने रविवार रात को फांसी लगा ली। प्रेमी की मौत से सदमे में लड़की ने भी अपनी जान दे दी। 24 वर्षीय लड़का निजी कंपनी में काम करता था।

दोनों ने एक साल तक एक-दूसरे को डेट किया। लड़का नायगांव पूर्व के कोल्ही गांव के आशा नगर का रहने वाला था। 17 वर्षीय लड़की जूनियर कॉलेज की छात्रा थी।प्रेमी लड़की पर अपने माता-पिता को छोड़ने और उसके साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रहने का दबाव बना रहा था। मामले के बारे में बात करते हुए, नायगांव पुलिस स्टेशन के सहायक पुलिस निरीक्षक शैलेंद्र पाटिल ने मीडिया हाउस को बताया, 'उसके परिवार ने उसे सांत्वना देने की कोशिश की, लेकिन वह बेसुध रही। वह अपने प्रेमी की आत्महत्या के लिए खुद को जिम्मेदार मानती थी और अपराध बोध को सहन नहीं कर पा रही थी।'

मुंबई: टैक्सी चालक मेंटेनेंस सुपरवाइजर का अपहरण करने और रोड रेज के मामले में आरोप गिरफ्तार

मुंबई: एक 32 वर्षीय टैक्सी चालक को कथित तौर पर एक मेंटेनेंस सुपरवाइजर का अपहरण करने और रोड रेज के एक मामले में वाहन को हुए मामूली नुकसान के लिए 1,119 रुपये की वसूली करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। वकोला पुलिस ने गुरुवार देर रात कुर्ला में अकीब शेख को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उस टैक्सी का रजिस्ट्रेशन नंबर ट्रैक किया जिसे वह चला रहा था। एफआईआर के अनुसार, घटना 28 मार्च को दोपहर करीब 1 बजे हुई जब अंधेरी वेस्ट में रहने वाले 26 वर्षीय वेंकटेश कौंडर, जो इंदु अर्थमूवर्स में सुपरवाइजर हैं, कुर्ला से अंधेरी वेस्ट के डीएन नगर में कंपनी के ट्रक में पोकलेन मशीन ले जा रहे थे।

कैब चला रहे शेख ने गलत साइड से ओवरटेक करने की कोशिश की, जिससे सांताक्रूज ईस्ट में एयर इंडिया कॉलोनी के पास मामूली टक्कर हो गई। गलती होने के बावजूद, शेख ने कथित तौर पर पुलिस स्टेशन जाने के बहाने कौंडर को अपनी कैब में जबरन बैठाकर मामले को और बिगाड़ दिया। इसके बजाय, वह पीड़ित को चेंबूर ले गया, जहाँ उसने पीड़ित के फोन का उपयोग करके कौंडर के नियोक्ता को फोन किया, क्षतिग्रस्त साइड मिरर के लिए मुआवजे की मांग की।

उसने अपने दोस्तों को फोन करने की धमकी दी और भुगतान न करने पर मुझे गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी। अपनी सुरक्षा के डर से, पर्यवेक्षक ने सायन सर्किल के पास रिहा होने से पहले ऋद्धं८ के माध्यम से 1,119 रुपये ट्रांसफर किए। टक्कर के लिए जिम्मेदार होने के बावजूद आरोपी ने स्थिति का फायदा उठाया। पुलिस ने वाहन का पता लगाया और शिकायत मिलने के कुछ ही घंटों के भीतर उसे गिरफ्तार कर लिया। शेख पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है, जिसमें गलत तरीके से रोकना, अपहरण, लापरवाही से गाड़ी चलाना और जबरन वसूली शामिल है। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि क्या धमकी देने में अन्य लोग भी शामिल थे।

पालघर : नदी में बोरे में बंद एक अज्ञात महिला का शव मिला

पालघर : पुलिस ने बताया कि महाराष्ट्र के पालघर जिले में मंगलवार को एक नदी में एक बोरे में बंद एक अज्ञात महिला का शव मिला। एक अधिकारी ने बताया कि ग्रामीणों ने सुबह पुलिस को सूचना दी कि नासिक-मोखदा-जव्हार रोड पर घाटकरपाड़ा में वाघ नदी में एक बोरा तैर रहा है। उन्होंने बताया कि पुलिस टीम को बोरे में 20 साल की एक महिला का सड़ा-गला शव मिला। अधिकारी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) (हत्या) और 238 (साक्ष्य मिटाना) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

संपादकीय...

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

बैंक के समक्ष चुनौतियां

भारतीय रिजर्व बैंक ने अपनी स्थापना के 90 वर्ष इस हफ्ते पूरे कर लिए। रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने मंगलवार को द टाइम्स ऑफ इंडिया में अपने स्तंभ में बैंकिंग नियामक के कुछ काम बताए और यह भी बताया कि बैंक भविष्य की तैयारी कैसे करता है। देश के केंद्रीय बैंक के सफर के इस अहम पड़ाव हमें उन चुनौतियों पर चर्चा करने का मौका देता है, जो आगे उसके सामने आ सकती हैं। देश की अर्थव्यवस्था का आकार भी बीते कुछ दशकों में बहुत अधिक बदला है क्योंकि इस दौरान वैश्विक अर्थव्यवस्था के साथ उसका जुड़ाव भी बढ़ा है। सच कहें तो रिजर्व बैंक ने तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था की जरूरतों को पूरा करने के लिहाज से खुद को बेहतर तरीके से ढाला है। आधुनिक अर्थव्यवस्था में यदा कदा होने वाले सामान्य मतभेदों को छोड़ दिया जाए तो सरकार ने भी केंद्रीय बैंक का पूरा समर्थन किया है। उदाहरण के लिए सरकार ने 2016 में रिजर्व बैंक अधिनियम में संशोधन किया ताकि मुद्रास्फीति को साधने में लचीला रुख रहे। यह भारत के हित में साबित हुआ है। भावी चुनौतियों की बात करें तो अमेरिकी व्यापार नीति की धुंध ने दुनिया भर में अनिश्चितता बढ़ा दी है। ऐसे में बाहरी मोर्चे पर जोखिम बढ़ा रहेगा। भारत का चालू खाते का घाटा कम रहने की उम्मीद है लेकिन वैश्विक अनिश्चितता पूंजी की आवक को प्रभावित कर सकती है। हम बीते कुछ महीनों में ऐसा होते देख चुके हैं। रिजर्व बैंक के पास अस्थिरता से निपटने के लिए पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार है मगर यह स्पष्ट नहीं है कि अनिश्चितता कितनी लंबी चलेगी और वैश्विक आर्थिक व्यवस्था की क्या शक्ल बनेगी। रिजर्व बैंक को भी सावधान रहना होगा। उसे अल्पावधि की अस्थिरता और दीर्घकालिक बुनियादी बदलावों में भेद करना होगा। शिकायत आ रह है कि रिजर्व बैंक रुपये की कीमत अधिक रख रहा है, जिससे व्यापार पर असर पड़ रहा है।

महंगाई काबू में रखना केंद्रीय बैंक के लिए दूसरी बड़ी चुनौती होगी। इस साल खुदरा मुद्रास्फीति नीचे आने की उम्मीद है, जिससे मौद्रिक सहजता बढ़ाने की गुंजाइश बनेगी। मगर मध्यम अवधि का नजरिया बताता है कि पिछले कुछ वर्षों में खाद्य महंगाई के कारण मुद्रास्फीति बढ़ी है। मौसम पर जलवायु परिवर्तन का बढ़ता असर कृषि उपज और कीमतों को अस्थिर कर सकता है। मौद्रिक नीति समिति को आने वाले वर्षों में खाद्य कीमतों के ऐसे झटकों पर अधिक प्रतिक्रिया देनी पड़ सकती है, जिसका असर वृद्धि पर भी पड़ सकता है। ऐसे में अपने तय अधिकार के साथ संतुलन बनाना चुनौती भरा हो सकता है। रिजर्व बैंक को नियमन और पर्यवेक्षण में भी खुद को ढालना होगा। निजी बैंकों के हालिया घटनाक्रम उसके लिए और भी पारदर्शिता की जरूरत बता चुके हैं। नियुक्तियों को मंजूरी देते समय उसे बताना होगा कि बोर्ड की सिफारिशों से वह असहमत क्यों है और कम समय के लिए सेवा विस्तार क्यों दे रहा है। नियुक्तियों को रिजर्व बैंक की मंजूरी से गड़बड़ियों की आशंका समाप्त नहीं होती। उसे बैंकों और अन्य विनियमित संस्थाओं की निगरानी में सुधार पर ध्यान देने की जरूरत हो सकती है। आने वाले वर्षों में रिजर्व बैंक को बढ़ते डिजिटलीकरण की चुनौतियों से भी निपटना होगा।

editor@rokthoklekhaninews.com
+91 8657861004
Faisal Shaikh @faisalrokthok
ROKTHOK LEKHANI NEWS
KHABREIN BE ROKTOK
Watch Us On YouTube
LIKE SHARE COMMENT SUBSCRIBE
youtube@rokthoklekhani

मुंबई : खेलों में भाग लेने वाले कक्षा 10वीं और 12वीं के विद्यार्थियों को ग्रेस मार्क का लाभ

मुंबई : महाराष्ट्र में खेल विभाग द्वारा आयोजित खेलों में भाग लेने वाले कक्षा 10वीं और 12वीं के विद्यार्थियों को ग्रेस मार्क का लाभ दिया जाता है। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन करना पड़ता है। अमरावती जिले में कक्षा 10वीं और 12वीं के कुल 1237 विद्यार्थियों ने ग्रेस अंक पाने के लिए 'आपले सरकार' ऐप पर ऑनलाइन आवेदन किया है। परीक्षा में छात्रों द्वारा प्राप्त कुल अंकों में ग्रेस अंक शामिल किये गये। यह प्रक्रिया 2023-24 तक ऑफलाइन थी। लेकिन 2024-25 से आपले सरकार पोर्टल के माध्यम से महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड को ग्रेस मार्क्स के लिए सभी आवेदन ऑनलाइन जमा करने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

खेलकूद में ग्रेस अंक अर्जित करने के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 15 अप्रैल है। इसलिए, छात्र ऑनलाइन आवेदन करने में तेजी दिखा रहे हैं। जिले में कक्षा 10वीं और 12वीं के 1237 खिलाड़ियों ने ग्रेस अंक पाने के लिए आवेदन किया है। इसमें कक्षा 10 के 766 और कक्षा 12 के 471 खिलाड़ी शामिल हैं।

566 आवेदन स्वीकृत, 169 आवेदन अस्वीकृत

'आपले सरकार' के माध्यम से खेल विभाग को 10वीं और 12वीं कक्षाओं के लिए कुल 1237 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें से 10वीं कक्षा के विद्यार्थियों के 368 आवेदन स्वीकृत कर दिए गए हैं, जबकि 108 आवेदन विभिन्न त्रुटियों के कारण अस्वीकृत कर दिए गए। इसके अलावा 290 आवेदन लंबित हैं। इसी प्रकार, कक्षा 12वीं में 198 विद्यार्थियों के आवेदन स्वीकृत किये गये हैं, जबकि 61 आवेदन अस्वीकृत किये गये हैं। इसके अलावा 212 आवेदन लंबित हैं।

49 खेलों में ग्रेस अंक

कक्षा 10वीं और 12वीं के विद्यार्थियों को ग्रेस अंक का लाभ देने के लिए 49 खेलों को मंजूरी दी गई है। ओलंपिक, एशियाई और राष्ट्रमंडल खेलों में शामिल खेलों में तीरंदाजी, एथलेटिक्स, भारोत्तोलन, मुक्केबाजी, बास्केटबॉल, साइकिलिंग, तलवारबाजी, फुटबॉल, हैंडबॉल, जिम्नास्टिक, हॉकी, जूडो, वॉलीबॉल, लॉन टेनिस, राइफल शूटिंग, टेबल टेनिस, ताइक्वांडो, तैराकी, कुश्ती, कबड्डी शामिल है। इसके अलावा सॉफ्टबॉल, बेसबॉल, नेटबॉल, कराटे, स्क्वैश, यशु, नेहरू हॉकी, सुब्रतो फुटबॉल, रग्बी, सेपक टकरा, मॉडर्न, पेंटाथलॉन, सॉफ्ट टेनिस शामिल हैं, जबकि ओलंपिक, एशियाई और राष्ट्रमंडल खेलों में शामिल नहीं किए गए खेलों में मल्लखंभ, बॉल बैडमिंटन, शतरंज, थ्रोबॉल, योगा, सिकाई, डॉजबॉल, टेनीक्विट, खो-खो, कैरम, क्रिकेट, रोलर स्केटिंग / हॉकी, किक बॉक्सिंग, रोलबॉल, शूटिंग बॉल, बोर्ड गेम शामिल हैं।

दिशा सालियान केस में दो पूर्व एसीपी ने वकील को सौंपे सबूत

मुंबई : बॉलीवुड अभिनेता दिवंगत सुशांत सिंह राजपूत की पूर्व मैनेजर दिशा सालियान की मौत से जुड़े मामले में दो पूर्व पुलिस अधिकारियों ने उनके पिता और वकील को एक पेन ड्राइव सौंपी है जिसमें हत्या के कुछ सबूत सामने आ सकते हैं।

पूर्व सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) ए.पी. निपुंगे और भीमराज घाडगे सोमवार को दिशा के पिता सतीश सालियान के साथ उनके अधिवक्ता नीलेश ओझा के कार्यालय गए और अतिसंवेदनशील महत्वपूर्ण साक्ष्य के तौर पर उन्हें पेन ड्राइव सौंपा। इस पेन ड्राइव में साक्ष्य के रूप में दिशा सालियान के साथ सामूहिक दुष्कर्म, हत्या और उसके बाद मामले को कवर-अप करने के मामले में विशेष सामग्री है जिससे इस मामले में नया खुलासा हो सकता है।

मेडिक्लेम पॉलिसी से प्राप्त राशि चिकित्सा व्यय के मुआवजे की राशि से नहीं काटा जा सकता - बॉम्बे हाईकोर्ट

मुंबई: बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा कि मेडिक्लेम पॉलिसी के तहत किसी व्यक्ति की ओर से प्राप्त राशि को मोटर वाहन अधिनियम के प्रावधानों के तहत चिकित्सा व्यय के लिए दावेदार को देय मुआवजे की राशि से नहीं काटा जा सकता है। जस्टिस एएस चंदुरकर, जस्टिस मिलिंद जाधव व जस्टिस गौरी गोडसे की पूर्ण पीठ ने 28 मार्च को फैसले में कहा कि मेडिक्लेम पॉलिसी के तहत प्राप्त राशि दावेदार की ओर से बीमा कंपनी के साथ किए गए अनुबंध के मद्देनजर प्राप्त की जाती है। इसलिए मेडिक्लेम पॉलिसी के तहत दावेदार की ओर से प्राप्त किसी भी राशि की कटौती

प्रीमियम का भुगतान करने के बाद राशि देना तय

पूर्ण पीठ ने सुप्रीम कोर्ट के फैसलों दावा न्यायाधिकरण को न सिर्फ का हवाला देते हुए कहा कि मोटर दुर्घटना उचित मुआवजा देने का अधिकार है, बल्कि यह उसका कर्तव्य भी है। प्रीमियम का भुगतान करने के बाद, यह स्पष्ट था कि लाभकारी राशि या तो पॉलिसी की परिपक्वता पर या मृत्यु पर, चाहे मृत्यु का तरीका कुछ भी हो, दावेदार के हिस्से में आएगी। अदालत ने कहा, उल्लंघनकर्ता मृतक की दूरदर्शिता और बुद्धिमानी से किए गए वित्तीय निवेश का फायदा नहीं उठा सकता।

दावेदार-बीमा कंपनी के अनुबंध के तहत प्राप्त होती है राशि

यह कानून की स्थापित स्थिति है। बीमा कंपनी ने दावा किया कि मेडिक्लेम पॉलिसी के तहत प्राप्त बीमा राशि में चिकित्सा व्यय भी शामिल है। कंपनी ने कहा कि यह दोगुना मुआवजा होगा। स्वीकार्य नहीं होगी। विभिन्न एकल व खंडपीठों के अलग-अलग विचार रखने के बाद इस मुद्दे को पूर्ण पीठ के पास भेज दिया गया था।

मुंबई : 3,000 अस्थायी सुरक्षा गार्डों के कार्यकाल के विस्तार को मंजूरी

मुंबई: महाराष्ट्र में खासकर मुंबई की बढ़ती जनसंख्या के अनुपात में पुलिस कर्मियों की संख्या बेहद कम है। मुंबई पुलिस में हजारों पद रिक्त हैं। जबकि स्थायी भर्ती की प्रक्रिया बेहद धीमी गति से चल रही है। ऐसे में कम संख्या बल के कारण पुलिस को कानून और व्यवस्था बनाए रखने में बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस बीच महाराष्ट्र की महायुति सरकार ने बड़ा फैसला किया है। राज्य की कानून व्यवस्था को बनाए बनाए रखने के लिए फडणवीस सरकार ने बृहन्मुंबई पुलिस आयुक्तालय में वर्तमान में कार्यरत 3,000 अस्थायी सुरक्षा गार्डों के कार्यकाल के विस्तार को मंजूरी दे दी है। इस संबंध में गृह विभाग द्वारा शासनादेश जारी कर दिया गया है।

बृहन्मुंबई पुलिस आयुक्तालय में 40,623 पद स्वीकृत

बृहन्मुंबई पुलिस आयुक्तालय में पुलिस कांस्टेबल से सहायक पुलिस उपनिरीक्षक संवर्ग तक कुल 40,623 पद स्वीकृत किए गए हैं। हालांकि, इनमें से पुलिस कांस्टेबल संवर्ग में लगभग 10,000 पद रिक्त हैं। इससे पुलिस पर काफी दबाव पड़ रहा है। सरकार द्वारा 21 जनवरी, 2021 को जारी निर्णय के अनुसार, उसने बृहन्मुंबई पुलिस आयुक्तालय के लिए 7,076 पुलिस कांस्टेबल और 994 पुलिस चालक संवर्ग के पदों को भरने की मंजूरी दी थी। उक्त भर्ती प्रक्रिया जारी है। फिर भी करीब 3,000 पद रिक्त रह गए हैं।

अस्थायी पदों के लिए 11 महीने का विस्तार

इन रिक्तियों से उत्पन्न अंतराल को भरने के लिए महाराष्ट्र राज्य सुरक्षा निगम द्वारा 3,000 अस्थायी पुलिसकर्मियों की नियुक्ति की गई थी।

मुंबईः एक रुपये वाली फसल बीमा योजना को बंद करने का फैसला;

सरकार को सात हजार करोड़ रुपये की बचत होगी

मुंबईः महाराष्ट्र सरकार ने एक रुपये वाली फसल बीमा योजना को बंद करने का फैसला लिया है। दो साल पहले लॉन्च हुई इस योजना का नया संस्करण खरीफ सीजन में लॉन्च किया जाएगा। बता दें कि मई में खरीद सीजन की शुरूआत होगी। इस दौरान प्रदेश सरकार नई फसल बीमा जमीन पर उतार सकती है। ₹1 वाली फसल बीमा योजना को बंद करने से प्रदेश सरकार को सात हजार करोड़ रुपये की बचत होगी। इस बीच वित्त वर्ष 2024-25 में प्रदेश सरकार को ₹1.33 लाख करोड़ के राजकोषीय घाटे का सामना करना पड़ रहा है।

20 मार्च को प्रदेश के कृषि विभाग ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और दो डिप्टी अजीत पवार और एकनाथ शिंदे के सामने एक प्रस्तुतिकरण दिया। इसके बाद योजना को बंद करने का निर्णय लिया गया है। साल 2023 में शुरू हुई इस योजना में अनियमितताएं की बात सामने आई। यह अनियमितताएं मुख्य रूप से फर्जी दावे से जुड़ी हुई थी। एक रुपये वाली फसल बीमा के तहत आवेदनों की संख्या 1.71 करोड़ हो गई है। वहीं, 1.70 पंजीकृत किसान हैं। इसके साथ योजना के तहत आए आवेदनों की संख्या प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से लगभग तीन गुना थी। पीएम

पुरानी योजना के तहत किसानों को योजना की किस्त का 2-5 फीसदी भुगतान करना पड़ता था। वहीं, बाकी बची राशि राज्य और केंद्र द्वारा समान रूप से चुकाई जाती थी। एक रुपये वाली फसल बीमा योजना के तहत राज्य सरकार ने किस्त का किसानों का हिस्सा चुकाया जबकि केंद्र का हिस्सा नहीं बदला। इस कारण प्रदेश सरकार को 7 हजार करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ उठाना पड़ा, क्योंकि पुरानी योजना में प्रीमियम हिस्से के ₹3,500 करोड़ के मुकाबले राज्य ने ₹10,500 करोड़ का भुगतान किया। इसके बावजूद किसानों को भुगतान बहुत कम हुआ।

एचटी की रिपोर्ट में अधिकारी का हवाला देते हुए बताया गया की एक रुपये वाली फसल बीमा योजना में बड़े पैमाने पर शिकायतें थीं। राज्य सरकार ने 4.5 लाख नकली आवेदन पाए, जिन्होंने सरकारी भूमि, सार्वजनिक भूमि, मंदिरों की भूमि और यहां तक कि बांधों पर उगाई गई फसलों के लिए मुआवजे के लिए आवेदन किया था। कुछ मामलों में, सामान्य सेवा केंद्रों ने वेबसाइट से जानकारी डाउनलोड कर किसानों के बिना जानकारी के फॉर्म भरे। इसके बदले उन्हें 40 रुपये का आवेदन शुल्क मिलता था। यह पैसा बीमा कंपनियों से प्राप्त किया जाता था। हमने 4.5 लाख नकली आवेदन पाए और 96 सेवा केंद्रों को निलंबित किया।

मुंबईः हीरा दलाल की याचिका बॉम्बे हाई कोर्ट ने कर दिया खारिज

मुंबईः बॉम्बे हाई कोर्ट ने एक हीरा दलाल द्वारा दायर याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें उसने पारिवारिक न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें उसे उस फ्लैट को खाली करने का निर्देश दिया गया था, जिसमें वह अपनी पत्नी के साथ 23 साल से रह रहा था। न्यायालय ने पारिवारिक न्यायालय के इस तर्क को बरकरार रखा कि उस व्यक्ति ने अपनी पत्नी के साथ घरेलू हिंसा की है, जिसके लिए उसे घरेलू हिंसा से महिलाओं की सुरक्षा अधिनियम, 2005 (डीवी अधिनियम) के तहत संरक्षण की आवश्यकता है।

न्यायमूर्ति माधव जामदार ने मुंबई के पारिवारिक न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश द्वारा 24 अक्टूबर, 2024 को दिए गए आदेश को चुनौती देने वाली पति की याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें पति और उसके परिवार के सदस्यों को पत्नी और उनकी नाबालिग बेटी के खिलाफ घरेलू हिंसा के समान कोई भी कार्य करने से रोक दिया गया था। न्यायालय ने पति को मुख्य मामले के निपटारे तक वैकल्पिक आवास में जाने का भी निर्देश दिया। पति की वकील सना रईस खान ने दलील दी कि दंपति 25 जनवरी, 2003 से शादीशुदा हैं और 29 अप्रैल, 2003 को फ्लैट खरीदने के बाद से ही विवादित फ्लैट में रह रहे हैं।

मुंबई : शहर के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहा है वायु प्रदूषण

मुंबई : मुंबई की हवा जहरीली होती जा रही है, और यह सिर्फ. फेफड़ों के लिए ही नहीं है जो इससे पीड़ित हैं. एक चिंताजनक प्रवृत्ति सामने आई है - वायु प्रदूषण अब शहर के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहा है, जिससे चिंता, अवसाद और अन्य मनोवैज्ञानिक विकार पैदा हो रहे हैं. वातावरण फाउंडेशन द्वारा शहर के अदकडेटा के हाल ही में किए गए विश्लेषण से वायु गुणवत्ता में तेज गिरावट पर प्रकाश डाला गया है.

वातावरण फाउंडेशन द्वारा शहर के अदकडेटा के हाल ही में किए गए विश्लेषण से वायु गुणवत्ता में तेज गिरावट पर प्रकाश डाला गया है. "2024 से जनवरी 2025 तक, मुंबई में केवल 49 दिन अच्छी वायु गुणवत्ता देखी गई, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के 125 दिनों से काफी कम है. इस बीच, मध्यम वायु गुणवत्ता वाले दिन 2024 में 227 से बढ़कर 2025 में 314 हो गए," वातावरण फाउंडेशन के संस्थापक भगवान केसभट ने कहा. यह बिगड़ती वायु गुणवत्ता केवल श्वसन संबंधी चिंता नहीं है - चिकित्सा विशेषज्ञ एक मूक लेकिन गंभीर मानसिक स्वास्थ्य संकट की चेतावनी देते हैं. हालांकि प्रदूषण को सीधे मानसिक अस्थिरता से जोड़ने वाला कोई निर्णायक शोध नहीं है, लेकिन मनोचिकित्सकों ने ऐसे मामलों में वृद्धि देखी है.

"इन रोगियों का निदान करना मुश्किल है क्योंकि प्रदूषण को मानसिक स्वास्थ्य से जोड़ने वाले कोई सीधे लक्षण नहीं हैं. उदाहरण के लिए, यदि कोई व्यक्ति व्यक्तिगत संकट का अनुभव कर रहा है, तो उसका अवसाद या चिंता स्पष्ट है.

दूसरी ओर, प्रदूषण एक वायरस नहीं है जिसका एक-से-एक कारण-और-प्रभाव संबंध है. इसका प्रभाव जटिल है," बेंगलुरु के राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका विज्ञान संस्थान में मनोचिकित्सा के सहायक प्रोफेसर डॉ. दिनाकरन डी ने समझाया. चिकित्सा विशेषज्ञों का कहना है कि एक दशक पहले, मानसिक स्वास्थ्य मामलों में प्रदूषण को एक कारक भी नहीं माना जाता था. हालाँकि, आज, उनका अनुमान है कि प्रदूषण खराब मानसिक स्वास्थ्य मामलों में लगभग 10 प्रतिशत के लिए जिम्मेदार है, जबकि जीवनशैली और अन्य व्यक्तिगत कारक शेष 90 प्रतिशत के लिए जिम्मेदार हैं.

"रोगी क्लीनिक में यह कहते हुए नहीं आते कि प्रदूषण के कारण उन्हें तनाव या चिंता हो रही है. लेकिन जब हम गहराई से जांच करते हैं, तो संबंध स्पष्ट हो जाता है. लगभग 73 प्रतिशत अध्ययनों से पता चलता है कि प्रदूषण के कारण मानसिक स्वास्थ्य के लक्षणों में वृद्धि हुई है, जबकि 6-7 प्रतिशत अध्ययनों से पता चलता है कि पहले से मौजूद बीमारियों वाले लोगों में लक्षण बिगड़ रहे हैं," कंसल्टिंग साइकेट्रिस्ट डॉ. रश्मि जोशी ने कहा.

आंकड़े इन टिप्पणियों का समर्थन करते हैं. मनोचिकित्सक और नशामुक्ति विशेषज्ञ डॉ. सागर मुंदाडा ने प्रदूषण से संबंधित मानसिक स्वास्थ्य मामलों में वृद्धि देखी. "कुछ साल पहले, मुझे तिमाही में एक या दो बार ऐसे मामलों का सामना करना पड़ता था. अब, मैं हर तिमाही में लगभग 50 मामलों को संभालता हूँ,"

मुंबई : 'इफ्तारी' के लिए फल बांटने को लेकर दो लोगों में तीखी बहस...

चाकू से हमला एक व्यक्ति की मौत

मुंबई : ओशिवरा में इसी त्योहार के दौरान एक व्यक्ति की हत्या कर दी गई। दरअसल, ओशिवारा के जोगेश्वरी पश्चिम में रविवार शाम 'इफ्तारी' के लिए फल बांटने को लेकर दो लोगों में तीखी बहस हो गई। कुछ देर बाद बहस इतनी बढ़ गई कि मृतक मोहम्मद कैफ रहीम शेख पर जफर फिरोज खान और उसके साथियों ने हमला कर दिया। पुलिस ने बताया कि । बहस के दौरान शेख ने खान को थप्पड़ मारा था। दोनों बच्चों के लिए कपड़े बनाने वाली एक दुकान में काम करते हैं। इसके कुछ देर बाद खान अपने दोस्तों के साथ लौटा और शेख पर चाकू से हमला कर दिया। जिससे उसकी मौत हो गई। मामले में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है।

मुंबई : कलश यात्रा से लौटते समय भगवा झंडा लहराने पर दो युवकों पर हमला, तनाव

मुंबई : मुंबई के मलाड पूर्व इलाके में रविवार को गुढ़ी पाड़वा के दिन शाम को कलश यात्रा से घर लौट रहे दो लड़कों की भगवा झंडा लहराने पर पिटाई कर दी गई जिससे इलाके में तनाव फैल गया है। आरोप है कि पुलिस की मौजूदगी के बावजूद दोनो पर एक विशेष समुदाय के लोगों ने हमला बोल दिया। इस मामले में पुलिस ने 9 से 10 अज्ञात लोगों के खिलाफ दंगा फैलाने और धार्मिक भावना आहत करने का मामला दर्ज किया है। वहीं, मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

मुंबईः जालसाजों ने एक 71 वर्षीय व्यक्ति को डिजिटल गिरफ्तारी धोखाधड़ी में फंसाने के बाद... 3.5 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी की

मुंबईः केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और पुलिस अधिकारियों के रूप में खुद को पेश करते हुए, जालसाजों ने एक 71 वर्षीय व्यक्ति को डिजिटल गिरफ्तारी धोखाधड़ी में फंसाने के बाद उससे 3.5 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी की। वे फर्जी मामले में कानूनी कार्रवाई की धमकी देकर दो महीने तक बुजुर्ग व्यक्ति को ठगते रहे। पुलिस के अनुसार, बोईसर निवासी को पिछले साल एक व्यक्ति का व्हाट्सएप कॉल आया था, जिसने अंधेरी पुलिस स्टेशन का अधिकारी होने का दावा किया था। बुजुर्ग व्यक्ति को बताया गया कि उनके पैन कार्ड का इस्तेमाल अवैध गतिविधियों से जुड़े सिम प्राप्त करने के लिए किया गया है।

फर्जी पुलिस अधिकारी ने कहा कि सीबीआई ने जांच की बागडोर संभाल ली है। पुलिस ने कहा कि शिकायतकर्ता को बताया गया कि उसे डिजिटल गिरफ्तारी के तहत रखा गया है, साथ ही कहा गया कि घोटालेबाज ने उसे रिहा करने के बहाने पैसे मांगे। उन्हें आश्वासन दिया गया था कि उनके द्वारा भुगतान की गई राशि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा सत्यापन के बाद मार्च के पहले सप्ताह में वापस कर दी जाएगी। व्यक्ति ने 17 ऑनलाइन ट्रांजैक्शन में 3.56 करोड़ रुपए ट्रांसफर किए और जब उसे अपने पैसे वापस नहीं मिले, तो उसने घोटालेबाजों से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। आखिरकार उसे धोखाधड़ी के बारे में तब पता चला जब वह पुलिस के पास गया।

मुंबई : दो सहकारी चीनी मिलों को दिया जाएगा 436 करोड़ रुपये का लोन

मुंबई : महाराष्ट्र सरकार पर कर्ज. का बोझ बढ़ता जा रहा है। इसके बावजूद सरकार ने कुछ चीनी मिलों को लोन देने का फैसला किया है। ये चीनी मिलें इखढ नेताओं से जुड़ी हुई हैं। सरकार के इस फैसले से राज्य पर और ज्यादा कर्ज. चढ़ेगा। सरकार ने नेशनल कोआपरेटिव डेवलपमेंट कारपोरेशन से 436 करोड़ रुपये का लोन लेने की बात कही है। यह लोन दो सहकारी चीनी मिलों को दिया जाएगा। इन मिलों का संबंध इखढ के नेताओं से है। इनमें राज्य के जल संसाधन मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल भी शामिल हैं। राज्य सरकार पहले से ही 9.3 लाख करोड़ रुपये के कर्ज.में डूबी है। नेशनल कोआपरेटिव डेवलपमेंट कारपोरेशन से लोन लेने के लिए राज्य सरकार को गारंटी देनी होती है। लोन देने का फैसला कैबिनेट की एक उप-समिति ने लिया। इस समिति के अध्यक्ष राज्य के सहकारिता मंत्री बाबासाहेब पाटिल हैं।

मार्जिन मनी लोन

18 फरवरी को हुई एक बैठक में उप-समिति ने पद्मश्री डॉ. विठ्ठलराव विखे पाटिल सहकारी चीनी मिल को 296 करोड़ रुपये का लोन देने का फैसला किया। यह चीनी मिल जल संसाधन मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल से जुड़ी है। यह लोन मार्जिन मनी लोन है।

दिगंबर बागल की बेटी की फैक्ट्री को लोन

एक और बैठक 20 मार्च को हुई। इसमें मकाई सहकारी चीनी मिल को नेशनल कोआपरेटिव डेवलपमेंट कारपोरेशन से 140 करोड़ रुपये का मार्जिन मनी लोन देने की बात कही गई। यह चीनी मिल सोलापुर जिले के करमाला तालुका में है। इस मिल का संबंध इखढ नेता रश्मि बागल से है। रश्मि बागल पूर्व मंत्री दिगंबर बागल की बेटी हैं।

दोनों लोन आठ साल के लिए दिए जाएंगे। इसमें दो साल तक कोई किश्त नहीं देनी होगी। मार्जिन मनी लोन का मतलब है, मिलों के रोजमर्रा के खर्चों के लिए दिया जाने वाला पैसा।

इसके अलावा, राज्य सरकार ने शेतकारी सहकारी चीनी मिल को लगभग 18 करोड़ रुपये की शेयर पूंजी देने का फैसला किया है। यह चीनी मिल लातूर जिले के किल्लारी तालुका में है। इस मिल का संबंध इखढ विधायक अभिमन्यु पवार से है। सरकार यह पैसा इसलिए दे रही है ताकि मिल अपनी उत्पादन क्षमता को दोगुना कर सके।

सरकार पर भारी कर्ज

सहकारी चीनी मिलें गांवों की अर्थव्यवस्था के लिए बहुत जरूरी होती हैं। इनसे किसानों का एक बड़ा नेटवर्क जुड़ा होता है। यही वजह है कि ये राजनीतिक रूप से भी बहुत महत्वपूर्ण हैं। लेकिन, पिछले साल विधानसभा चुनावों से पहले सरकार ने कई लोकलुभावन वादे किए थे। इस वजह से राज्य की आर्थिक स्थिति खराब हो गई है। राज्य पर कर्ज.का बोझ बढ़ता जा रहा है। अनुमान है कि 2025-26 में राज्य का राजस्व घाटा (आमदनी और खर्च का अंतर) 45,891 करोड़ रुपये तक पहुंच जाएगा। पैसों की कमी के कारण, महायुति सरकार ने अपने चुनावी वादे पूरे नहीं किए हैं। इनमें किसानों का कर्ज.माफ करना और मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिन योजना के तहत महिलाओं को दी जाने वाली राशि को 1,500 रुपये से बढ़ाकर 2,100 रुपये करना शामिल है।

1993 के बम विस्फोट के दोषी के बेटे द्वारा दायर आवेदन को राज्य मानवाधिकार आयोग ने खारिज कर दिया...

मुंबई: राज्य मानवाधिकार आयोग ने 1993 के बम विस्फोट के दोषी सरदार शाह वली खान के बेटे फैजान सरदार खान द्वारा दायर एक आवेदन को खारिज कर दिया है, जिसमें उसने अपने पिता को खुली जेल में स्थानांतरित करने की अनुमति मांगी थी। आवेदन को खारिज करते हुए आयोग ने कहा कि इसी तरह की याचिका पहले ही बॉम्बे हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट दोनों में दायर की जा चुकी है, जहां इसे अस्वीकार कर दिया गया था। इसलिए, याचिका का निपटारा किया जाता है।

कुर्ला के निवासी फैजान ने पिछले साल एसएचआरसी से संपर्क किया था, जिसमें अपने पिता के लिए राहत की मांग की गई थी, जिसमें अनुरोध किया गया था कि उन्हें अपनी सजा का बाकी हिस्सा खुली जेल में काटने की अनुमति दी जाए। याचिका के अनुसार, शिकायत में जेल अधिकारियों और कुछ कैदियों के बीच मिलीभगत का आरोप लगाया गया था, जिसके कारण खान के खिलाफ झूठी शिकायतें की गईं, जिसके परिणामस्वरूप उनकी खुली जेल की अर्जी खारिज कर दी गई।

जेलर की रिपोर्ट से पता चला कि शिकायतकर्ता के पिता सरदार शाह वली खान ने उच्च न्यायालय की औरंगाबाद पीठ का दरवाजा खटखटाया था, लेकिन मार्च 2021 में उनकी याचिका खारिज कर दी गई थी। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट के समक्ष एक विशेष रिट याचिका दायर की गई, जिसने चयन समिति को निर्देश दिया कि वह खुली जेल के लिए योग्य कैदियों का चयन करे और अपनी टिप्पणियों के आलोक में मामले पर पुनर्विचार करे। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद चयन समिति ने आवेदन की फिर से समीक्षा की लेकिन इसे खारिज कर दिया और सरदार शाह वली खान को खुली जेल में स्थानांतरित करने के लिए अयोग्य घोषित कर दिया।

नागपुर: कक्षा 12वीं तक मराठी विषय अनिवार्य

महाराष्ट्र में मराठी भाषा को लेकर राज्य की महायुति सरकार ने बड़ा किया फैसला

नागपुर: देश में हिंदी भाषा को लेकर चल रहे विवाद के बीच महाराष्ट्र में मराठी भाषा को लेकर राज्य की महायुति सरकार ने बड़ा फैसला किया है। महाराष्ट्र सरकार ने 13 सितंबर 2024 को आदेश जारी कर कक्षा 12वीं तक मराठी विषय अनिवार्य करने की घोषणा की है। इसके तहत आगामी सत्र 2025-26 से आदेश को अमल में लाने की मांग को लेकर कनिष्ठ महाविद्यालयीन मराठी विषय शिक्षक महासंघ की ओर से निवासी जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री और शालेय शिक्षा मंत्री को ज्ञापन भेजा गया।

इसमें कहा गया है कि अनेक वर्षों की मांग के बाद सरकार ने 12वीं तक मराठी विषय को सभी संकायों के छात्रों के लिए अनिवार्य किया है। इससे मराठी विषय के शिक्षकों में उत्साह का संचार हुआ है।अब तक कनिष्ठ महाविद्यालयों में मराठी विषय को सूचना तकनीकी और हिंदी विषय सहित अन्य विषयों का पर्याय दिया जाता रहा है। इससे मराठी विषय लेकर शिक्षा पूरी करने वाले छात्रों की संख्या में कमी आई है। यह मामला बेहद गंभीर है। इस पर विचार आवश्यक है।

मराठी भाषा नीति सिफारिश के कार्यान्वयन के बारे में सरकार ने 3 फरवरी 2025 को आदेश जारी किया है। यदि इस निर्णय को अमल में लाना है तो फिर शैक्षणिक वर्ष 2025-26 से 12वीं तक मराठी विषय को सभी संकायों व सभी शिक्षा मंडलों की शासकीय व निजी व्यवस्थापन के स्कूलों में लागू करना अनिवार्य होगा। ऐसा करने पर ही आदेश का पालन हो सकेगा।

मुंबई: सहायक नगर आयुक्त नितिन शुक्ला के अचानक तबादले के खिलाफ विरोध प्रदर्शन का आह्वान

मुंबई: दादर, माटुंगा और सायन के निवासियों ने, जो कि नागरिक एफ-नॉर्थ वार्ड के अंतर्गत आते हैं, सहायक नगर आयुक्त नितिन शुक्ला के अचानक तबादले के खिलाफ माटुंगा में वार्ड कार्यालय के बाहर मंगलवार, 1 अप्रैल को विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया है। निवासियों ने तबादले को दुर्भावनापूर्ण बताया है, क्योंकि शुक्ला को महज छह सप्ताह पहले ही वार्ड अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया था और वे पूरी लगन से काम कर रहे थे। निवासियों ने शुक्ला की बहाली की मांग की है।

''शुक्ला का अचानक तबादला राजनीतिक दबाव के अलावा और कुछ नहीं है। उन्होंने पहले दिन से ही अनधिकृत फेरीवालों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी थी। माटुंगा और सायन कोलीवाड़ा में उनके द्वारा की गई तोड़फोड़ की कार्रवाई विधायक तमिल सेलवन के कार्यकर्ताओं को रास नहीं आई।

सायन कोलीवाड़ा में तोड़फोड़ की कार्रवाई के दौरान एक विवाद भी हुआ, जब सेलवन के कार्यकर्ता ने ड्यूटी पर मौजूद बीएमसी इंजीनियर को धमकाया। हालांकि, शुक्ला ने इंजीनियर को बचाया और कार्यकर्ताओं को ड्यूटी पर मौजूद अधिकारियों के खिलाफ गलत न बोलने की चेतावनी दी,'' म्युनिसिपल इंजीनियर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष रमेश देशमुख ने कहा।

मार्च के पहले हफ़्ते में शुक्ला तब चर्चा में आए जब उन्होंने भंडारकर रोड पर माटुंगा सेंट्रल रेलवे स्टेशन के पास स्थित माटुंगा फूल बाजार में अवैध रूप से लगी दुकानों को ढहा दिया। वैसे तो कई दुकानों के मालिक लाइसेंसधारी हैं, लेकिन उन्होंने अपनी दुकानों का विस्तार कर लिया है और फुटपाथ पर पूरी तरह से कब्जा कर लिया है। लेकिन, बेदखली के कुछ ही घंटों के भीतर फेरीवालों ने अपना कारोबार फिर से शुरू करके बीएमसी के तोड़फोड़ अभियान का मजाक उड़ाया। अगले दिन, शुक्ला ने फिर से दुकानों को ढहाने के लिए बुलडोजर उठाया, लेकिन फेरीवाले जमीन पर बैठ गए और बीएमसी को कोई कार्रवाई करने से रोक दिया। एफपीजे ने 29 मार्च को शुक्ला के हवाले से बताया था कि माटुंगा फूल दुकानों पर एक नई निरीक्षण रिपोर्ट बनाई गई है और जल्द ही एक और बेदखली अभियान चलाया जाएगा।

नांदेड़ : हिंदू और मुस्लिम समुदायों के बीच गहरे सौहार्द का जीता-जागता प्रमाण शिर्द गांव

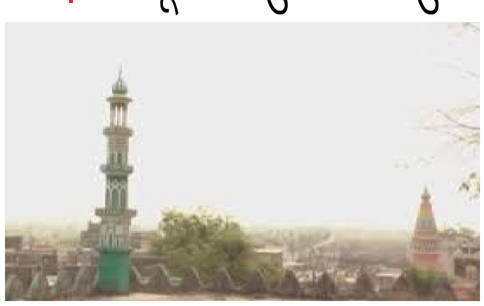

नांदेड़ : अगर आप धार्मिक सद्भाव की मिसाल देखना चाहते हैं, तो महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले के शिर्द गांव से बेहतर जगह शायद ही कोई हो. लगभग 5000 की आबादी वाला यह गांव, हिंदू और मुस्लिम समुदायों के बीच गहरे सौहार्द का जीता-जागता प्रमाण है. यहां, धर्म की सीमाएं त्योहारों के सामुदायिक उत्सव में घुल जाती हैं. शिर्द गांव में हिंदू और मुस्लिम न केवल एक-दूसरे के धार्मिक त्योहारों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं, बल्कि कई हिंदू रमजान के महीने में रोजा भी रखते हैं. वहीं,

एक अन्य ग्रामीण बताते हैं कि हमारे गांव की यह खासियत है कि चाहे गुड़ी पड़वा हो, गणपति हों, दुर्गा हों - हम हर त्योहार में शामिल होते हैं. हमारी ईद में हमारे पूरे मराठी (हिंदू) भाई साथ देते हैं. दरगाह के बाद पूरे गांव में हमारा घोड़ा घूमता है. जब तक हमारा काम पूरा नहीं होता, तब तक वे साथ नहीं छोड़ते.

मुंबई : हुसैन दलवाई ने वक्फ संशोधन विधेयक का विरोध करते हुए केरल कैथोलिक बिशप्स काउंसिल के समर्थन पर नाराजगी जताई.....

मुंबई : महाराष्ट्र कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हुसैन दलवाई ने वक्फ संशोधन विधेयक का विरोध करते हुए केरल कैथोलिक बिशप्स काउंसिल के समर्थन पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा, ''इन्हें हमारे मामलों में दखल देने की क्या जरूरत है? वैसे भी केरल के सांसद उनकी बात क्यों सुनेंगे? उनके खुद के कई ट्रस्ट होते हैं।''

दलवाई ने आरोप लगाया कि भाजपा इसके जरिए एक खास विचारधारा को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा सिर्फ मुस्लिमों के खिलाफ ही नहीं, बल्कि अन्य धर्मों के खिलाफ भी राजनीति कर रही है, इसलिए इस पर सभी को ध्यान देना चाहिए।

कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने नई शिक्षा नीति (एनईपी) को लेकर सरकार को पत्र लिखा, जिस पर हुसैन दलवाई ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। उन्होंने भाजपा और आरएसएस की विचारधारा पर हमला बोलते हुए कहा, ''इनकी मानसिकता है कि सभी को अपनी सोच के हिसाब से चलाना है। इतिहास को बदलने की कोशिश की जा रही है, लेकिन हम इसे सफल नहीं होने देंगे।''

ईद से पहले महाराष्ट्र के बीड जिले की एक मस्जिद में धमाका

हुआ, जिसे लेकर हुसैन दलवाई ने राज्य की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, ''अगर इस धमाके के आरोपी मुस्लिम होते, तो उनके घरों पर बुलडोजर चला दिया जाता। क्या अब सरकार उन पर भी बुलडोजर चलाएगी?''

उन्होंने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडनवीस पर हमला बोलते हुए कहा, ''क्या आप उत्तर प्रदेश की राजनीति महाराष्ट्र में लागू करना चाहते हैं? आपको राजधर्म का पालन करना चाहिए।'' शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने दावा किया कि आरएसएस प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हटाकर बदलाव चाहता है।

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए हुसैन दलवाई ने कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी ने खुद नियम बनाया था कि 75 साल की उम्र के बाद रिटायर होना चाहिए, अब वही नियम उन पर लागू हो रहा है, इसलिए उन्हें चिंता हो रही है।''

उन्होंने आगे कहा कि भाजपा में सत्ता संघर्ष तेज हो गया है। कई नेता पीएम पद पर नजर गड़ाए बैठे हैं, जिनमें अमित शाह, योगी आदित्यनाथ और देवेंद्र फडनवीस प्रमुख हैं। दलवाई ने आरोप लगाया कि सत्ता पाने के लिए भाजपा देश में सांप्रदायिक तनाव और माहौल खराब करने का काम करती है। उन्होंने दावा किया कि मोदी 2029 तक सत्ता में बने रहना चाहते हैं, लेकिन भाजपा में आंतरिक कलह अब तेज हो गई है।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने ईद के मौके पर भाजपा पर दंगे भड़काने की साजिश रचने का आरोप लगाया। इस पर हुसैन दलवाई ने उनका समर्थन करते हुए कहा, ''जहां-जहां भाजपा सत्ता में बदलाव लाना चाहती है, वहां दंगे कराए जाते हैं। यह उनका सबसे बड़ा हथियार है।'' उन्होंने आगे कहा कि भाजपा सत्ता में आने के लिए हमेशा समाज में दरार पैदा करती है। 1992 में बाबरी मस्जिद विध्वंस और दंगों के चलते भाजपा सत्ता में आई थी।

मुंबई : दिवंगत पति की वसीयत में जालसाजी करने के आरोप में गिरफ्तार 61 वर्षीय महिला को जमानत

मुंबई: बॉम्बे हाई कोर्ट ने अपने दिवंगत पति की वसीयत में जालसाजी करने के आरोप में गिरफ्तार 61 वर्षीय महिला को जमानत दे दी है, साथ ही कहा है कि उसकी गिरफ्तारी और हिरासत ''अनुचित'' थी। न्यायमूर्ति मिलिंद जाधव ने सुनवाई के लिए 70 वर्षीय महिला की जमानत याचिका पर सुनवाई की, जिस दिन कोर्ट में छुट्टी थी। कोर्ट ने व्यक्तिगत मुचलके पर जोर दिए बिना उसे ''तुरंत'' रिहा करने का निर्देश दिया है।

हाईकोर्ट हेमलता शाह द्वारा अधिवक्ता रिया सिंकर के माध्यम से दायर जमानत याचिका पर सुनवाई कर रहा था। मधुमेह, उच्च रक्तचाप, कोलेस्ट्रॉल और अन्य बीमारियों से पीड़ित शाह को मजिस्ट्रेट द्वारा गैर-जमानती वारंट जारी किए जाने के एक दिन बाद 28 मार्च की शाम 6 बजे गिरफ्तार किया गया था। शाह के दिवंगत पति के पूर्व बिजनेस पार्टनर ने आपराधिक साजिश और अपने पति की वसीयत में जालसाजी का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया था। उन्होंने आरोप लगाया कि महिला ने अपने पति की संपत्तियों पर दावा करने के लिए उनकी वसीयत में जालसाजी की। न्यायमूर्ति जाधव ने अपने आदेश में उल्लेख किया कि उच्च न्यायालय ने 27 नवंबर, 2020 को वसीयत की पुष्टि की थी।

मुंबईः अनिवासी भारतीय महिला से 41 लाख रुपये ठगने के आरोप में एफआईआर दर्ज

मुंबईः ओशिवारा पुलिस ने मुंबई की एक महिला के खिलाफ एक अनिवासी भारतीय महिला से 41 लाख रुपये ठगने के आरोप में एफआईआर दर्ज की है। आरोपी शेनिला सैय्यद ने कई लोगों को अपनी कंपनी में निवेश करने के लिए राजी करके निवेशकों से करोड़ों रुपये ठगे। माना जा रहा है कि घोटाले के बाद वह सऊदी अरब भाग गई है। एफआईआर के मुताबिक, शिकायतकर्ता 27 वर्षीय दुमिता उर्फ दीया अलुवालिया अंधेरी वेस्ट के वीरा देसाई रोड पर रहती हैं। वह एक ठफ्क हैं और ऑस्ट्रिया में रहने वाली एक स्वतंत्र लेखिका हैं। 15 अप्रैल, 2023 को अलुवालिया की मुलाकात अलुवालिया से अंधेरी वेस्ट के लोखंडवाला में अपने दोस्त फजल खान के जरिए हुई। सैय्यद ने दावा किया कि वह एक डॉक्टर है और जॉइना क्रिएशन नाम की एक कंपनी की मालिक है, जो मुंबई की एक फर्म है जो शहर के प्रमुख अस्पतालों में मेडिकल रिसर्च प्रोजेक्ट चलाती है। उसने अलुवालिया से आगे कहा कि अगर वह उसके मेडिकल प्रोजेक्ट में पैसा लगाती है, तो उसे चार महीने में 2.40 लाख रुपये मिलेंगे।

अलुवालिया ने निवेश करने के लिए सहमति जताई और अप्रैल 2023 से जनवरी 2025 के बीच उन्होंने कई लेन-देन में कुल 41 लाख रुपये का निवेश किया। भुगतान चेक और ऑनलाइन ट्रांसफर के जरिए उनके ऑस्ट्रियाई बैंक खाते से सैय्यद के एक्सिस बैंक और आईसीआईसीआई बैंक खातों में किया गया। शुरूआत में उन्हें अपने निवेश पर 22.56 लाख रुपये का रिटर्न मिला, जिससे सैय्यद पर उनका भरोसा और मजबूत हुआ। हालांकि, बाद में भुगतान बंद हो गया और सैय्यद से संपर्क नहीं हो पाया क्योंकि उनका फोन बंद था। शिकायत में अलुवालिया ने आरोप लगाया कि सैय्यद ने उनकी 41 लाख रुपये की मूल राशि वापस नहीं की।

नागपुर : बीवी ने अपने ही शौहर के कारनामों का खुलासा करते हुए उसे पहुंचा दिया जेल

नागपुर : महाराष्ट्र के नागपुर से एक हैरान कर देने वाली खबर सामने आ रही है. यहां एक बहादुर बीवी ने अपने ही शौहर के कारनामों का खुलासा करते हुए उसे जेल पहुंचा दिया. जानकारी के अनुसार, आरोपी दूसरी महिलाओं को अपने जाल में फंसाकर उन्हें ब्लैकमेल करता था. उनके साथ बलात्कार करता. इसके बाद अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी देकर पैसे ऐंठता था. इन सबके साथ ही वो अपनी बीवी को अक्सर प्रताड़ित करता रहता था.लेकिन इन सबके बावजूद महिला ने हार नहीं मानी और वो अपनी पति की असलीयत सबके सामने लेकर आई.

महिलाओं को झूठ बोलकर फंसाता था आरोपी

जानकारी के मुताबिक, आरोपी का नाम अब्दुल शारिक कुरैशी (32) है, जो कि नागपुर के टेक बाजार इलाके में पान की दुकान चलाता था.

जानकारी के मुकाबिक, वो बहुत शातिर और हैवान है और वो अपने बीवी के साथ अक्सर मारपीट करता था. उसके साथ जबरन अप्राकृतिक संबंध बनाने की कोशिश करता था. इन सबके बाद भी वो पराई महिलाओं को जाल में फंसाकर उनका यौन शोषण करता था. पीड़ित महिला ने बताया कि उसके पति के निशाने पर ज्यादातर दूसरे धर्म की महिलाएं रहती थीं. वो उन्हें गुमराह करने के लिए झूठ बोलता था.

महिला ने खोली पोल

24 वर्षीय पीड़ित महिला को अपने शौहर की हरकतों पर शक होने लगा. उसने अपने एक रिश्तेदार की मदद से उसके फोन को क्लोन करके उसका व्हाट्सऐप को हैक कर लिया. इसके बाद महिला ने जो फोन में देखा वो देखकर वो हैरान हो गई. व्हाट्सऐप चेक किया तो उसे पता चला कि आरोपी के कई महिलाओं से संबंध हैं. इनमें नाबालिग लड़कियां भी शामिल हैं. आरोपी अपनी पहचान छुपाकर दूसरी महिलाओं के सामने अलग-अलग नामों से जाता था. उनसे कहता था कि वो अविवाहित है. महिलाएं उसकी जाल में फंस जाती थी. इसके बाद वो उनको अलग-अलग होटलों में लेजाकर उनके साथ बलात्कार करता था. आरोपी लड़कियों के अश्लील वीडियो भी बना लेता था. जिसके जरिए ब्लैकमेल करते हुए उनसे पैसे मांगता था. इसके बाद महिला ने कुछ महिलाओं से संपर्क कर आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई. शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है.

मुंबईः बलात्कार के एक मामले में पूर्व राज्यपाल डीवाई पाटिल के पोते पृथ्वीराज पाटिल को गिरफ्तारी से अंतरिम संरक्षण

मुंबईः बॉम्बे हाईकोर्ट ने बलात्कार के एक मामले में बिहार और पश्चिम बंगाल के पूर्व राज्यपाल डीवाई पाटिल के पोते पृथ्वीराज पाटिल को गिरफ्तारी से अंतरिम संरक्षण प्रदान किया है। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री सतेज पाटिल के भतीजे पाटिल ने इस महीने की शुरूआत में ठाणे सत्र न्यायालय द्वारा उनकी याचिका खारिज किए जाने के बाद अग्रिम जमानत के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

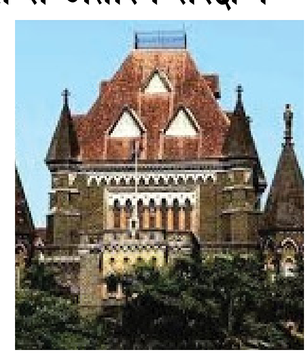

न्यायमूर्ति राजेश पाटिल ने मामले को 21 अप्रैल के लिए सुनवाई के लिए रखते हुए कहा, ''अगली सुनवाई की तारीख तक आवेदक के खिलाफ कोई दंडात्मक कदम नहीं उठाया जाना चाहिए।'' 27 मार्च को सुनवाई के दौरान अतिरिक्त लोक अभियोजक अजय पाटिल ने कहा कि मामले में पीड़िता की बात सुनी जानी चाहिए और उसे प्रतिवादी के रूप में शामिल किया जाना चाहिए।

देशभर में ईद मनी, सजदे में झुके सिर

नमाज अदा कर मांगी अमन-भाईचारे की दुआ

● पीएम मोदी ने बधाई दी, वक्फ बिल के विरोध में नमाजियों ने काली पट्टी बांधी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में ईद-उल-फितर (मीठी ईद) त्योहार मनाया गया। मस्जिदों और ईदगाहों में ईद की नमाज अदा की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को ईद की बधाई दी है। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा- ईद का त्योहार हमारे समाज में आशा, सद्भाव और दयालुता की भावना को बढ़ाए। आपके सभी प्रयासों में खुशी और सफलता मिले। ईद मुबारक!

वाराणसी की जामा मस्जिद में एक साथ बड़ी संख्या में नमाजी पहुंच गए। इसके चलते सभी लोगों को मस्जिद में नमाज पढ़ने के लिए जगह नहीं मिली। इसके बाद कुछ लोगों ने सीढ़ियों पर ईद की नमाज अदा की। देश में कई जगह नमाज अदा करने के लिए लोग वक्फ बिल के विरोध में काली पट्टियां बांधकर पहुंचे। तमिलनाडु के त्रिची में बड़ी संख्या में लोगों ने सड़कों पर नमाज अदा की। बिहार के सीएम नीतीश कुमार ईद के कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए पटना के गांधी मैदान पहुंचे।

इंदौर में दिखा गजब नजारा, हिंदू की बग्घी पर बैठकर ईदगाह पहुंचे शहर काजी, 50 साल पुरानी है यह परंपरा – इंदौर में सोमवार को ईद-उल-फितर पर सांप्रदायिक सद्भाव का अनूठा नजारा देखने को मिला। करीब पांच दशक पुरानी परंपरा के तहत एक हिंदू परिवार शहर काजी को घोड़े की बग्घी पर बैठाकर मुख्य ईदगाह ले गया। वहां के लोगों ने बताया कि शहर के रहने वाले सत्यनारायण सलवाड़िया शहर काजी मोहम्मद इशरत अली को उनके राजमोहल्ला स्थित घर से घोड़े की बग्घी पर बैठाकर पूरे सम्मान से सदर बाजार के मुख्य ईदगाह ले गए और सामूहिक नमाज के बाद उन्हें वापस उनके घर छोड़ा। सलवाड़िया ने बताया कि ईद की यह रिवायत उनके पिता रामचंद्र सलवाड़िया ने करीब 50 साल पहले शुरू की थी और वर्ष 2017 में उनके निधन के बाद वह यह परंपरा निभा रहे हैं।

टोपी पहनकर ईद की नमाज में पहुंचे नीतीश,गांधी मैदान में दोनों हाथ उठाकर मांगी दुआ– बिहार समेत देशभर में आज ईद मनाई जा रही है। पटना, बेगूसराय समेत राज्य के अलग-अलग जिलों में सुबह 7.30 बजे नमाज अता की गई। पटना के गांधी मैदान में करीब 20 हजार नमाजियों ने नमाज पढ़ी। वहीं, लोगों को बधाई देने के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी गांधी मैदान पहुंचे। उन्होंने टोपी पहनकर प्रदेशवासियों और मुस्लिम भाई-बहनों को ईद की बधाई दी। सीएम नीतीश ने दोनों हाथ उठाकर दुआ मांगी। सीएम ने एक बच्चे के साथ फोटो भी खिंचवाई।

वक्फ बिल का विरोध,जयपुर में काली पट्टी बांधकर पढ़ी नमाज : हिंदू भाइयों ने बरसाए फूल – राजस्थान में सोमवार को ईद-उल-फित्र की नमाज अकीदत और एहतराम के साथ अदा की गई। सूबे के सभी प्रमुख शहरों में सुबह से ही मस्जिदों और ईदगाहों में नमाजियों का तांता लगा रहा। हिंदू समुदाय ने नमाजियों पर फूल बरसाए।

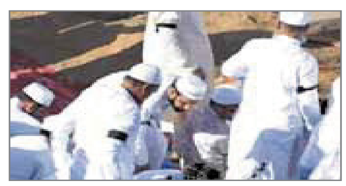

औरंगजेब कब्र विवाद पर बोले सुरेश भैयाजी जोशी

औरंगजेब विवाद गैरजरूरी हैं

नागपुर (एजेंसी)। मुगल शासक औरंगजेब की कब्र को लेकर महाराष्ट्र में काफी समय से सियासी घमासान जारी है। हिंदू संगठनों द्वारा छत्रपति संभाजीनगर में स्थित औरंगजेब की कब्र को हटाने की मांग की गई थी। इसके बाद तनाव भी हुआ था। हिंदू संगठनों के विरोध प्रदर्शनों के बीच नागपुर में हिंसा सामने आई थी। इस मुद्दे पर विधानसभा में भी राजनीतिक बयानबाजी सामने आई थी। अब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व सर कार्यवाह भैयाजी जोशी ने औरंगजेब के मुद्दे पर भी अपनी राय रखी है। सोमवार को नागपुर में पीएम मोदी के दौरे के बाद मीडिया से मुखातिब हुए भैयाजी जोशी ने कहा कि औरंगजेब का विषय बिना वजह उठाया जा रहा है, जो ठीक नहीं है। उनकी मृत्यु यहां हुई, तो लोग उनकी कब्र पर जाएंगे। यह उनकी श्रद्धा है। जो जाना चाहते हैं, वे जाएं। इसमें कोई बड़ी बात नहीं है। जोशी ने इस मुद्दे को अनावश्यक विवाद बताते हुए इसे तूल न देने की सलाह दी।

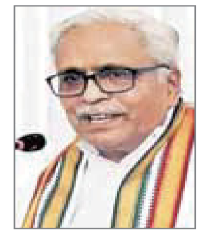

व्हाट्सअप फारवर्ड पर न करें भरोसा– राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के वरिष्ठ नेता सुरेश 'भैयाजी' जोशी ने कहा कि महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना प्रमुख (मनसे) राज ठाकरे ने रविवार को औरंगजेब की कब्र को लेकर सांप्रदायिक तनाव भड़काने के प्रयासों की निंदा करते हुए कहा था कि इतिहास को जाति और धर्म के चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने लोगों से ऐतिहासिक जानकारी के लिए व्हाट्सएप फॉरवर्ड पर भरोसा न करने के लिए कहा।

तेलंगाना हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

पहली पत्नी को नहीं दिया तलाक, झूठ बोलकर सेकंड मैरिज की, दूसरी पत्नी को गुजारा भत्ता का अधिकार

हैदराबाद (एजेंसी)। अगर पहली पत्नी से तलाक लिए बिना दूसरी शादी की जाती है, तो वह शादी शुरू से ही अवैध मानी जाएगी। अगर दूसरी पत्नी को शादी से पहले झूठी जानकारी देकर यानी धोखे से सहमति ली गई तो यह रेप माना जाएगा। ऐसी स्थिति में दूसरी पत्नी गुजारा भत्ते की हकदार भी है। तेलंगाना हाई कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के एक फैसले के खिलाफ की गई अपील पर सुनवाई करते हुए जस्टिस मौसमी भट्टाचार्य और जस्टिस बी.आर. मधुसूदन राव की बेंच ने यह फैसला दिया। हैदराबाद फैमिली कोर्ट ने दूसरी पत्नी के गुजारा भत्ता की मांग को खारिज कर दिया था।

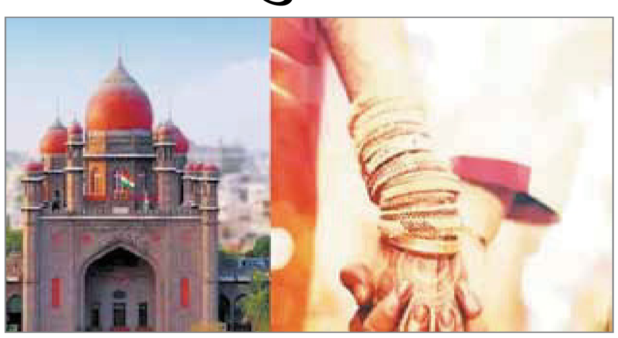

तलाक दिए बिना की शादी

एक शख्स की दूसरी पत्नी ने हिंदू विवाह अधिनियम, 1955 की धारा 11 (अवैध विवाह), धारा 5 (हिंदू विवाह के लिए शर्तें) और धारा 25 (स्थायी गुजारा भत्ता) के तहत याचिका दायर की थी। कोर्ट को महिला ने बताया कि उसके पति ने पहली पत्नी को तलाक दिए बिना उससे शादी की।

गणगौर पूजा के दौरान आग में झुलसी पूर्व केंद्रीय मंत्री गिरिजा व्यास, अस्पताल में भर्ती

उदयपुर (एजेंसी)। राजस्थान के उदयपुर में गणगौर पूजा के दौरान पूर्व केंद्रीय मंत्री गिरिजा व्यास आग से झुलस गईं। व्यास की चुन्नी दीपक की लौ की चपेट में आ गई। परिवार ने तुरंत उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया और बाद में बेहतर उपचार के लिए अहमदाबाद रेफर कर दिया। कांग्रेस नेता उनकी खैरियत जानने पहुंचे। परिजनों ने बताया कि गणगौर के मौके पर सोमवार को गिरिजा व्यास अपने भाई के फार्म हाउस पर पूजा कर रही थीं। इस दौरान पूजा के बाद आरती करते समय अचानक गिरिजा व्यास की चुन्नी दीपक की लौ की चपेट में आ गई। जिसके कारण चुन्नी ने आग पकड़ ली। घटना से जैसे ही गिरिजा व्यास चिल्लाई, तो घर में मौजूद सर्वेंट बंशी ने उन्हें तत्काल संभाला।

आज 1 अप्रैल से लागू हो रहा बजट, 6 बड़े बदलाव

टैक्स स्लैब में बड़ी राहत, नौकरीपेशा लोगों को 75 हजार का अतिरिक्त फायदा मिलेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नया बजट आज 1 अप्रैल 2025 से लागू हो जाएगा। यानी, 1 फरवरी को सरकार ने बजट पेश करते हुए जो ऐलान किए थे उन पर काम शुरू होगा। हालांकि, योजनाओं का फायदा कब से मिलेगा, यह योजना के प्रकार और लागू करने की प्रक्रिया पर निर्भर करेगा। आयकर छूट या सब्सिडी जैसे फायदे 1 अप्रैल 2025 से लागू हो जाते हैं, क्योंकि ये वित्तीय वर्ष के साथ जुड़े होते हैं। वहीं इन्फ्रास्ट्रक्चर और विकास परियोजनाएं, सामाजिक कल्याण योजनाओं का फायदा मिलने में समय लगता है, क्योंकि इन पर काम करने की एक लंबी प्रोसेस होती है।

बदलाव जो आज से लागू होंगे...

- **टैक्स स्लैब में बदलाव–** 20 से 24 लाख की इनकम के लिए नया स्लैब। न्यू टैक्स रिजीम के तहत अब 12 लाख रुपए तक की कमाई पर कोई टैक्स नहीं देना होगा। नौकरीपेशा लोगों के लिए 75 हजार के स्टैंडर्ड डिडक्शन के साथ यह छूट 12.75 लाख रुपए हो जाएगी।
- **टीडीएस लिमिट की सीमा बढी–** 6 लाख तक की रेंटल इनकम पर टैक्स नहीं। कुछ भुगतानों पर टीडीएस (टैक्स डिडक्शन एट सोर्स) की सीमा को बढ़ाया गया है। रेंट से होने वाली इनकम पर टीडीएस की सीमा 2.4 लाख से बढ़कर 6 लाख हो गई है।
- **टीसीएस लिमिट की सीमा बढ़ी–** विदेश में पढ़ाई के लिए 10 लाख तक भेजने पर टैक्स नहीं। विदेश में पढ़ाई के लिए पैसा भेजने पर टैक्स कलेक्टेड एट सोर्स की लिमिट अब 7 लाख रुपए से बढ़कर 10 लाख रुपए हो गई है।

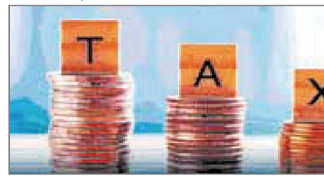

- **अपडेटेड रिटर्न भरने के लिए ज्यादा समय–** 48 महीने तक दाखिल कर सकेंग। अब टैक्सपेयर्स असेसमेंट ईयर के अंत से 24 महीने के बजाय 48 महीने तक अपडेटेड रिटर्न दाखिल कर सकेंगे।
- **यूलिप पर कैपिटल गेन टैक्स–** 2.5 लाख से ज्यादा प्रीमियम कैपिटल एसेट माना जाएगा। यदि यूलिप यानी, यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान का प्रीमियम प्रति वर्ष 2.5 लाख रुपए से अधिक है, तो इसे कैपिटल एसेट माना जाएगा।
- **सस्ता-महंगा–** कस्टम ड्यूटी बदलने का 150-200 प्रोडक्ट पर असर। सरकार ने फरवरी में पेश किए गए बजट में कुछ प्रोडक्ट पर कस्टम ड्यूटी घटाई थी और कुछ पर बढ़ाई थी। इससे करीब 150-200 प्रोडक्ट प्रभावित होंगे। आम तौर पर वित्तीय वर्ष की शुरुआत यानी 1 अप्रैल 2025 से कस्टम ड्यूटी में हुए बदलाव लागू होते हैं।

दिल्ली की जेलों की हालत बदत्तर, क्षमता से पांच गुना ज्यादा कैदी हैं बंद

–तिहाड़, मंडोली और रोहिणी जेलों में कैदियों की संख्या चिंताजनक

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की जेलों में जरुरत से ज्यादा कैदी होने से गंभीर समस्या पैदा हो गई है। वर्तमान में राजधानी की 16 जेलों में 10 हजार कैदियों की क्षमता के मुकाबले करीब 19 हजार कैदी बंद हैं। यह स्थिति तब है जब 2023 में एक हजार से ज्यादा अंडरट्रायल कैदियों को रिहा किया गया था। दिल्ली सरकार ने विधानसभा सत्र के दौरान जेलों की स्थिति पर एक विस्तृत रिपोर्ट पेश की, जिसमें तिहाड़, मंडोली और रोहिणी जेलों में कैदियों की संख्या चिंताजनक रूप से ज्यादा पाई गई।

कुछ जेलों में तो क्षमता से पांच गुना ज्यादा कैदी बंद हैं। तिहाड़ की जेल नंबर 1 की स्थिति सबसे खराब है। इस जेल की क्षमता केवल 565 कैदियों की है, लेकिन मार्च 2025 के आंकड़ों के मुताबिक यहां 2,436 कैदी रखे गए हैं। इसी तरह, तिहाड़ की जेल नंबर 4 में 740 कैदियों की जगह 3,244 कैदी हैं। मंडोली जेल के कुछ परिसरों में कैदियों की संख्या अपेक्षाकृत कम है। जेल नंबर 15, जिसमें सिर्फ उच्च सुरक्षा वाले कैदी रखे जाते हैं जिनकी क्षमता 248 कैदियों की है, लेकिन वहां केवल 108 कैदी हैं।

इसी तरह जेल नंबर 14 और 16 में भी क्षमता से कम कैदी हैं। दिल्ली की जेलों में अंडरट्रायल कैदियों की संख्या सजायाफ्ता कैदियों से करीब आठ गुना ज्यादा है। 2024 के आखिर तक जहां 17,118 अंडरट्रायल कैदी थे, वहीं सिर्फ 2,235 सजायाफ्ता कैदी मौजूद थे। पिछले पांच सालों में यह संख्या बढ़ रही है। कैदियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए जेल प्रशासन ने सुरक्षा के उपाय भी बढ़ा दिए हैं। तिहाड़ में 15 मोबाइल जैमर लगाए गए हैं। दिल्ली की जेलों में कुल 7,549 सीसीटीवी कैमरे लगे हैं, जिससे औसतन हर 5 कैदियों पर 2 कैमरों की निगरानी की जाती है। 15 डीप सर्च मेटल डिटेक्टर, 610 बॉडी-वॉर्न कैमरे और 23 एक्स-रे बैगेज स्कैनर लगाए गए हैं। जेलों में हिंसा रोकने के लिए सीआरपीएफ, आईटीबीपी और तमिलनाडु स्पेशल पुलिस की क्विक रिएक्शन टीमें तैनात की गई हैं। दिल्ली में नरेला और बापरौला में नए जेल परिसरों के निर्माण की योजना बनाई गई है। इस परियोजना के लिए 40 एकड़ जमीन डीडीए ने आवंटित कर दी है। पहले चरण में 256 कैदियों की क्षमता वाली उच्च सुरक्षा जेल बनाई जाएगी। इसका निर्माण अगले 6 महीने में शुरू होगा और 2 साल में पूरा हो जाएगा। बापरौला जेल के लिए भूमि आवंटन अभी डीडीए में लंबित है। कैदियों की संख्या के साथ-साथ जेल प्रशासन पर होने वाला खर्च भी बढ़ रहा है। 2019-20 में जेलों का बजट 490 करोड़ था। साल 2023-24 में यह बढ़कर 595 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है।

प्रियंका गांधी वाड्रा के काफिले को यूट्यूबर अनीस अब्राहम ने रोका, पुलिस ने गिरफ्तार किया

तिरुवनंतपुरम। केरल पुलिस ने यूट्यूबर अनीस अब्राहम को प्रियंका गांधी वाड्रा के काफिले को रोकने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के मुताबिक यूट्यूबर अब्राहम ने कांग्रेस नेता के पायलट वाहन में बजाए जा रहे हॉर्न से नाराज होकर काफिले के आगे कार खड़ी कर दी थी। पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। हालांकि बाद में अब्राहम को पुलिस स्टेशन से ही जमानत मिल गई। अब पुलिस काफिला रोकने के अन्य कारणों की जांच कर रही है।

सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के काफिले को रोकने की घटना तब हुई जब प्रियंका मलप्पुरम से कोच्चि एयरपोर्ट जा रही थीं। उन्होंने अपने निर्वाचन क्षेत्र और मलप्पुरम जिले में कई कार्यक्रमों में भाग लिया था। जब वे मन्नुथी बायपास जंक्शन पर पहुंची, तभी एक कार सवार ने काफिले के सामने अचानक बीच सड़क पर कार रोक दी। पुलिस के मुताबिक, आरोपी की पहचान यूट्यूबर अनीस अब्राहम के तौर पर हुई। वे एलनाडू के रहने वाले हैं। अनीस सांसद के पायलट वाहन के हॉर्न बजाने से नाराज थे। मन्नुथी सब इंस्पेक्टर के नेतृत्व में पुलिस टीम ने जब रुकावट को हटाने की कोशिश की, तब अब्राहम ने पुलिसवालों से झगड़ा भी किया। पुलिस अधिकारियों ने पुष्टि की है कि अब्राहम के खिलाफ मामला दर्ज किया है। उन पर काफिले को जानबूझकर रोकने, जीवन को खतरे में डालने और पुलिस के आदेशों की अवहेलना करने का आरोप है। अब्राहम को स्टेशन से जमानत पर रिहा किया गया है, मामले की जांच अभी जारी है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि अब्राहम ने काफिले को क्यों रोका, क्या इसके पीछे कोई और वजह थी? पुलिस सभी पहलुओं से जांच कर रही है। यूट्यूबर की कार भी जब्त कर ली गई है।

कुणाल कामरा के समर्थन में उतरे पीके, उनका कोई राजनैतिक मकसद नहीं

पटना (एजेंसी)। जन सुराज संस्थापक और पूर्व चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने कॉमेडियन कुणाल कामरा के समर्थन में उतर आए है। कामरा पर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर गद्दार कहने का आरोप है। पीके ने कहा कि कामरा की कोई राजनीतिक महत्वाकांक्षा या गलत इरादे से कही गई बात नहीं हैं। प्रशांत किशोर ने कामरा को अपना दोस्त बताया। उन्होंने उन आरोपों को खारिज किया कि कामरा

किसी राजनीतिक एजेंडे के तहत काम कर रहे हैं। पीके के अनुसार, कामरा फिलहाल पुडुचेरी में रहते हैं और जैविक खेती करते हैं। स्टैंड-अप कॉमेडी उनका शौक है। बीते हफ्ते, मुंबई में मौजूद हैबिटेट कॉमेडी क्लब में कामरा ने डिप्टी सीएम शिंदे पर कुछ टिप्पणियां की थीं, जिसके बाद विवाद शुरू हो गया था।

उनके एक पैरोडी गाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था, जिस पर शिवसेना समर्थकों ने कड़ी प्रतिक्रिया दी थी। शिवसेना कार्यकर्ताओं ने कॉमेडी क्लब और होटल में तोड़फोड़ की थी। शिवसेना विधायक मुर्जी पटेल की शिकायत पर कामरा के खिलाफ मानहानि का मामला दर्ज किया गया था। मद्रास हाई कोर्ट ने कामरा को अंतरिम जमानत दे दी है। प्रशांत किशोर ने कहा, कुणाल कामरा मेरे दोस्त हैं। उन्होंने कुछ ऐसी बातें कहीं जिससे विवाद हो गया। लेकिन, मैं जितना उन्हें जानता हूं, उनका कोई छिपा हुआ मकसद नहीं है। उनकी कोई राजनीतिक दुश्मनी नहीं है और वे उन लोगों में से हैं जो वास्तव में अपने देश से प्यार करते हैं। शायद उन्होंने अपने शब्दों का चयन गलत किया। अगर उन्होंने कुछ गलत किया है, तब कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। लेकिन मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि वह देश और उसके संविधान का सम्मान करते हैं।

वहीं 28 मार्च को मद्रास हाई कोर्ट ने कामरा को अंतरिम जमानत दे दी। कोर्ट ने कहा कि कामरा को तमिलनाडु के विल्लुपुरम जिले के वानूर में न्यायिक मजिस्ट्रेट के सामने एक बांड भरना होगा।

क्या बिहार में लालू का जंगलराज वहां सटीक पैतरा, जिससे एनडीए की जीत होती हैं पक्की

भाजपा के चाणक्य शाह ने बिहार दौरे में जंगलराज को खूब उछाला

नई दिल्ली (एजेंसी)। पटना (ईएमएस)। बिहार की राजनीति में एनडीए ने वर्ष 2005 से 2025 तक सत्ता का सिरे थामा रहा। इस काल में सत्ता के वर्ष की गिनती जरूर बढ़ती रही, मगर चुनावी मुद्दा में कोई बदलाव नहीं दिखाई दिया। एनडीए ने राष्ट्रीय जनता दल के विरुद्ध आवाज उठाई, तब पहला शब्द जंगल राज ही निकला। वर्ष 2005 में भी चुनावी प्रचार में बतौर मुद्दा, सुशासन और विकास का स्थान जंगल राज के बाद आया। आज 20 साल बाद 2025 के दौरान भी चुनावी दंगल में उतरे अमित शाह का मुद्दा जंगल राज ही बनकर उभरा।

बिहार विधान सभा चुनाव की तैयारी के दौरान बिहार आए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह चुनावी जंग में जंगल राज का तड़का लगा गए। अपने भाषण में दो टूक कहा कि 1990 से 2005 तक शासन काल जंगल राज के नाम से जाना जाता था। इस कार्यकाल में अपराध, रेप की घटनाएं काफी होती थी। लालू यादव ने गरीबों के लिए कुछ नहीं किया। यही वजह था कि लालू-राबड़ी की सरकार में बिहार बर्बाद हुआ। लालू से एक प्रश्न पूछता हूं कि आप यूपीए में मंत्री रहे, तब अपने केंद्र सरकार से कितना पैसा लिया? लालू-राबड़ी की सरकार में बिहार बर्बाद हुआ है।

लालू पर हमलावर केंद्रीय गृह मंत्री शाह यही नहीं रुके। अब शाह ने कहा कि एनडीए सरकार में बिहार का विकास हुआ है। बीते 10 वर्ष में पीएम नरेंद्र मोदी ने 60 करोड़ गरीबों के लिए काम किया। मगर, यूपीए सरकार में अहम रोल निभाने वाले लालू यादव ने बिहार के गरीबों के लिए कुछ नहीं किया। पीएम मोदी ने गरीबों की मदद के लिए सहकारिता के क्षेत्र में काफी काम किया। सहकारिता क्षेत्र में हुए काम से सबसे ज्यादा फायदा बिहार को होने वाला है। आप नरेंद्र मोदी पर भरोसा कीजिए और बिहार में एनडीए की सरकार बना दीजिए। हम वादा करते हैं चीनी मिल फिर शुरू होगी। 8000 करोड़ से पुलों का निर्माण हो रहा है। बिहार में मखाना बोर्ड बनाया गया है।

दरअसल, भाजपा के चाणक्य शाह राजद सुप्रीमो लालू पर यूं ही नहीं हमलावर है। इस बार शाह को लालू यादव का वहां स्वरूप याद आ रहा है, जिन्होंने आरक्षण के रथ पर सवार होकर भाजपा को आरक्षण विरोधी करार देकर उनके हाथों से जीत छीन ली थी। 2015 में लालू को एक मुद्दा आरक्षण मिला था। इस बार लालू दो धारी तलवार भांज रहे हैं। लालू वक्फ बोर्ड संशोधन बिल को मुस्लिम विरोधी ठहराने लगे हैं और साथ ही 65 प्रतिशत आरक्षण को 9वीं अनुसूची में नहीं डालने को आरक्षण चोर बताने लगे हैं। आखिर ऐसा क्या है कि चुनावी जंग में राजद के विरुद्ध हो या महागठबंधन के विरुद्ध, एनडीए का पहला तीर जंगल राज के नाम से क्यों छूटता रहा है? दरअसल जंगल राज के नाम पर करीब 30 प्रतिशत जाति वालों की गोलबंदी हो जाती है। इस नाम पर सवर्ण और वैश्य सहित ऐसी कई छोटी-छोटी जातियां जिनका जीवन व्यवसाय से चलता है, वे गोलबंद हो जाती है। तब भाजपा या एनडीए राजद के एमवाई यानी मुस्लिम और यादव के 32 प्रतिशत मत का जवाब बनकर सामने आती है। बाकी सुशासन, विकास और विकास के मुद्दे एनडीए के जीत का मार्ग प्रशस्त करती है। पिछले कुछ चुनाव में राजद के ए टू जूड का कमाल दिखा और सवर्ण मत में सेंधमारी भी राजद ने की। 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा के कई सवर्ण नेताओं को हार देखनी पड़ी। इनमें आरा से पूर्व केंद्रीय मंत्री आरके सिंह, औरंगाबाद से पूर्व सांसद सुशील सिंह और बक्सर से मिथिलेश तिवारी को हार का सामना करना पड़ा। ये दीगर कि बेगूसराय से गिरिराज सिंह, मोतिहारी से राधामोहन सिंह, पटना साहिब से रवि शंकर प्रसाद और छपरा से राजीव प्रताप रूडी की जीत हुई थी।

भीषण गर्मी के लिए रहें तैयार, अप्रैल-जून में सामान्य से अधिक गर्मी पड़ने की संभावना

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय मौसम विभाग ने सोमवार को चेतावनी दी कि अप्रैल से जून का मौसम सामान्य से अधिक गर्म रहेगा और मध्य और पूर्वी भारत तथा उत्तर-पश्चिमी मैदानी इलाकों सहित कई राज्यों में अधिक लू चलने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के प्रमुख मृत्युंजय महापात्रा ने एक ऑनलाइन प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि अधिकांश क्षेत्रों में न्यूनतम तापमान भी सामान्य से अधिक रहेगा। उन्होंने कहा, ÷अप्रैल से जून तक उत्तर और पूर्वी भारत, मध्य भारत और उत्तर-पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से दो से चार दिन अधिक गर्म हवाएं चलने की संभावना है।÷

जानकारी के अनुसार, भारत में अप्रैल से जून तक चार से सात दिन हीटवेव दर्ज किए जाते हैं। आईएमडी के एक अधिकारी ने पहले कहा था कि उत्तर-पश्चिम भारत में गर्मी के दिनों की संख्या दोगुनी हो सकती है, जबकि आमतौर पर गर्मी के दिनों की संख्या पांच से छह होती है। आईएमडी ने भविष्यवाणी की है कि जिन राज्यों में सामान्य से अधिक गर्मी पड़ सकती है उनमें राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, पंजाब, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश तथा कर्नाटक और तमिलनाडु के उत्तरी भाग शामिल हैं।

आईएमडी ने कहा कि भारत के अधिकांश हिस्सों में अप्रैल में अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है, लेकिन सुदूर दक्षिणी और उत्तर-पश्चिमी क्षेत्रों के कुछ इलाकों में सामान्य तापमान रह सकता है। महापात्रा ने कहा कि उत्तर-पश्चिम और उत्तर-पूर्व में कुछ स्थानों को छोड़कर, जहां तापमान सामान्य या सामान्य से थोड़ा कम हो सकता है, पूरे भारत में न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक रहेगा। अत्यधिक गर्मी के दिनों का हवाला देते हुए विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि भारत को इस गर्मी के मौसम में बिजली की मांग में 9 से 10 प्रतिशत की वृद्धि के लिए

मां बनने वाली थी एक्ट्रेस, प्रेग्नेंसी की खबर सुनते ही तिलमिलाया डायरेक्टर बॉयफ्रेंड, दे डाला अल्टीमेटम

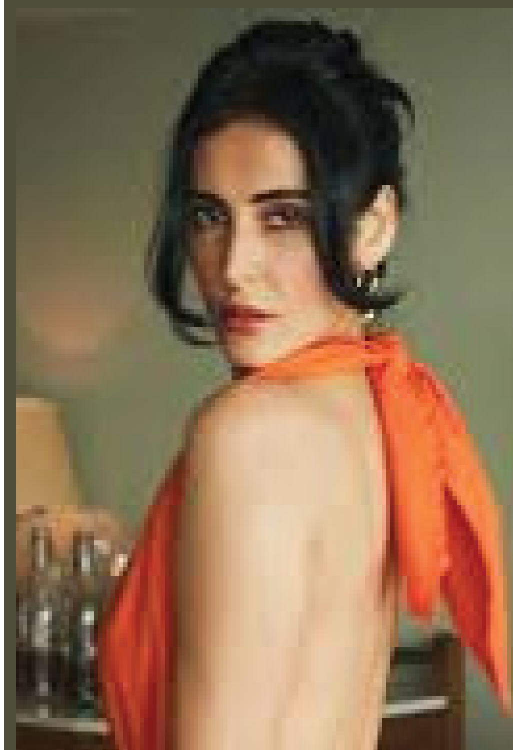

इंडस्ट्री में ऐसे कई कलाकार हैं, जिन्होंने धर्म की दीवार लांघकर अपना प्यार मुकम्मल किया। इनमें शर्मिला टैगोर से लेकर करीना कपूर, सोनाक्षी सिन्हा जैसी अभिनेत्रियों के नाम भी शुमार हैं। वहीं हेमा मालिनी से शादी के लिए धर्मेंद्र ने भी अपना धर्म बदल लिया था। प्यार की चाहत में एक और अभिनेत्री ने ऐसा ही किया, लेकिन अफसोस कि शादी के बाद भी उसे दर्द से गुजरना पड़ा। शादी तो टूट ही गई, बाद में फिर हिम्मत जुटाकर जब इसने एक शख्स से मोहब्बत की तो उससे भी वो प्यार नहीं मिल पाया, जिसकी उम्मीद की थी। कौन है ये एक्ट्रेस, चलिए बताते हैं।

हम जिस अभिनेत्री की बात कर रहे हैं, उन्होंने फिल्मों के अलावा रियेलिटी शोज में भी अपना दम दिखाया है। बिग बॉस के अलावा ये कंगना रनौत के रियेलिटी शो 'लॉक अप' में भी बतौर कंटेस्टेंट नजर आई थीं। अब ये एक्ट्रेस एक्टिंग की दुनिया से दूर हो चुकी हैं, पति से तलाक हो चुकी हैं और अपना खुद का बिजनेस शुरू किया है। हम जिस एक्ट्रेस की बात कर रहे हैं वो और कोई नहीं बल्कि मंदाना करीमी हैं।

मंदाना करीमी ने ज्यादा फिल्मों में काम नहीं किया है, फिर भी किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। मंदाना ने 'भाग जॉनी', 'मैं और चार्ल्स' और 'क्या कूल हैं हम 3' जैसी फिल्मों में काम किया है और कुछ रियेलिटी शोज का हिस्सा रही हैं। मंदाना एक मुस्लिम परिवार से ताल्लुक रखती हैं और उन्होंने बतौर मॉडल अपना करियर शुरू किया था। मंदाना ने 2017 में बिजनेसमैन गौरव गुप्ता से शादी करके सबको हैरान कर दिया। एक्ट्रेस ने हिंदू रीति-रिवाजों के साथ गौरव संग शादी की, लेकिन शादी के 6 महीने में ही दोनों के बीच तनाव शुरू हो गया। एक्ट्रेस पति और अपने ससुराल वालों पर घरेलू हिंसा का आरोप लगाकर अलग हो गईं।

मंदाना करीमी ने गौरव गुप्ता के साथ हिंदू रीति-रिवाज से शाद की थी। एक्ट्रेस ने शादी के करीब 7 महीने बाद दावा किया कि उनके ससुराल वालों ने उन्हें शादी के बाद ही तंग करना शुरू कर दिया था और उन पर धर्म बदलने का दवाब बना रहे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके ससुराल वालों ने उन्हें खूब तंग किया और शादी के 7 महीने बाद ही घर से बेघर कर दिया।

फिल्म 'फौजी' पर आया बड़ा अपडेट, फिर साथ नजर आएगी प्रभास के साथ इस अभिनेत्री की जोड़ी

पैन इंडिया स्टार प्रभास इन दिनों अपनी कई आगामी फिल्मों को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। इसी बीच उनकी एक और फिल्म 'फौजी' को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। इस फिल्म में प्रभास की जोड़ी उनकी फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' की एक अभिनेत्री के साथ नजर आएगी। क्या आप बता सकते हैं कि वह अभिनेत्री कौन हैं... पिंकविला की एक खबर के मुताबिक, 'फौजी' एक एक्शन ड्रामा फिल्म होगी। 'फौजी' में प्रभास और दिशा पाटनी एक साथ नजर आ सकते हैं। इस फिल्म से पहले प्रभास और दिशा की जोड़ी को प्रशंसकों ने 'कल्कि 2898 एडी' में खूब पसंद किया था। बहरहाल, इस फिल्म का आधिकारिक नाम अभी तक तय नहीं हुआ है, तब तक इस फिल्म का संभावित नाम 'फौजी' है।

वैसे इस फिल्म में दो अभिनेत्रियों के होने की बात सामने आई है, जिसमें इमानवी इस्माइल का नाम पहले से ही शामिल है और अब उनके अलावा इस फिल्म में दूसरी मुख्य अभिनेत्री के तौर पर दिशा पाटनी का नाम शामिल हो गया है।

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री पर ऋचा चड्ढा का तंज...

बॉलीवुड में हाल के दिनों में बनने वाली फिल्मों और कलाकारों को लेकर काफी चर्चा हो रही है। अनुराग कश्यप, महेश भट्ट समेत कई डायरेक्टर्स पहले भी हिंदी फिल्म इंडस्ट्री द्वारा परोसे जा रहे कंटेंट पर सवाल उठा चुके हैं। अब इस पर गैंग्स ऑफ वासेपुर, फुकरे और मसान जैसी फिल्मों से अपनी अलग पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस ऋचा चड्ढा ने भी अपना पक्ष रखा है। अभिनेत्री फिल्मों से जुड़े मुद्दों पर खुलकर अपनी राय रखती हैं। इस बार ऋचा ने इंडस्ट्री में नए कलाकारों को मौका न मिलने पर फिल्ममेकर्स को टारगेट किया है।

स्टीरियोटाइप ट्रेंड को फॉलो करना गलत

अनुराग कश्यप और हंसल मेहता जैसे फिल्म डायरेक्टर्स पहले ही फिल्म इंडस्ट्री के संघर्ष पर बात कर चुके हैं। इसी पर बात करते हुए ऋचा चड्ढा ने भी एक इंटरव्यू में कहा है कि नए कलाकारों को और ज्यादा मौके मिलने चाहिए। मगर यह दुखद है कि आज बड़े-बड़े मेकर्स स्टीरियोटाइप ट्रेंड को फॉलो कर रहे हैं। अभिनेत्री ने आगे कहा कि कई बार बिजनेस आपको रिस्क लेने की इजाजत नहीं देता। यह सिर्फ एक्टर्स के लिए नहीं, बल्कि फिल्ममेकर्स के साथ भी होता है।

नए अवतार में मौनी रॉय, बदला हुलिया देख फटी रह गईं लोगों की आंखें....

दिशा पटानी और मौनी रॉय के बीच गहरी दोस्ती है और इसका नजराना कई मौकों पर देखने को मिलता है। दोनों अक्सर कई इवेंट और ट्रिप पर साथ नजर आती हैं। साथ में वेकेशन भी मनाती हैं। शुक्रवार को दोनों एक बार फिर एक इवेंट में साथ नजर आईं। मौनी ने अपने स्ट्रैपलेस ब्लैक गाउन और नए हेड बैंग्स से सभी को चौंका दिया। एक्ट्रेस के इस लुक ने सोशल मीडिया यूजर्स को हैरान कर दिया। मौनी रॉय का स्टाइलिश लुक फैन्स कुछ फैंस को तो पसंद आया, वहीं कई इससे देखते ही भड़क गए। सामने आए उनके वीडियोज में एक चीज ने हर किसी का ध्यान खींचा और वो थे उनके होठ। अब लोग अंदाजा लगा रहे हैं कि शायद उन्होंने लिप एनहैंसमेंट करवाया है।

इन वीडियोज को देखने के बाद लोग उनके अटपटे लुक पर अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं और कह रहे हैं कि पहले इतनी खूबसूरत लगने वाली एक्ट्रेस ने अपना ये क्या हाल बना लिया है। एक सोशल मीडिया यूजर ने लिखा, 'मौनी अब मौनी जैसी भी नहीं दिखतीं। मुझे कैप्शन देखना पड़ा।' दूसरे ने कहा, 'सर्जरी कर के क्या हाल बना लिया है, पहचान में ही नहीं आ रही है।' तीसरे शख्स ने कमेंट किया, 'सर्जरी की दुकान पूरे चेहरे का डिजाइन बन गया है जैसे बच्चे ड्राइंग करते थे, वैसे ही डॉक्टर ने भी कुछ कलाकारी कर दी है।' एक और शख्स ने

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhaninews.com